HARI-HAR SEEDS

शिव गंगा हाइब्रिड सीड्स प्रा.लि.

राम भवन, सामने सुशीला भवन, बालसमन्द रोड़, हिसार-125001 (हरियाणा) / दूरभाष नं. 70159-27772

ग्वार (CYAMOPSIS TETRAGONOLOBA) फसल उत्पादन की समग्र सिफारिशें

ग्वार चारे और दाने के लिये दोहरी फसल है और कम पानी एवं उर्वरा शक्ति वाली भूमि में भी उत्पादन देती है। वर्ष 2012 में ग्वार की कीमतें अप्रत्यासित रूप से 35,000/- रूपये प्रति क्विंटल होने पर इसकी कास्त के लिये किसानों की रूचि बनी है।

HARI-HAR SEEDS

भूमि :-

ग्वार की फसल सभी प्रकार की भूमियों जैसे हल्की भूमियों में भी हो सकती है। ग्वार की फसल अधिक पानी खड़ा रहना सहन नहीं करती। इसलिए खेत में पानी की निकासी आवश्यक है।

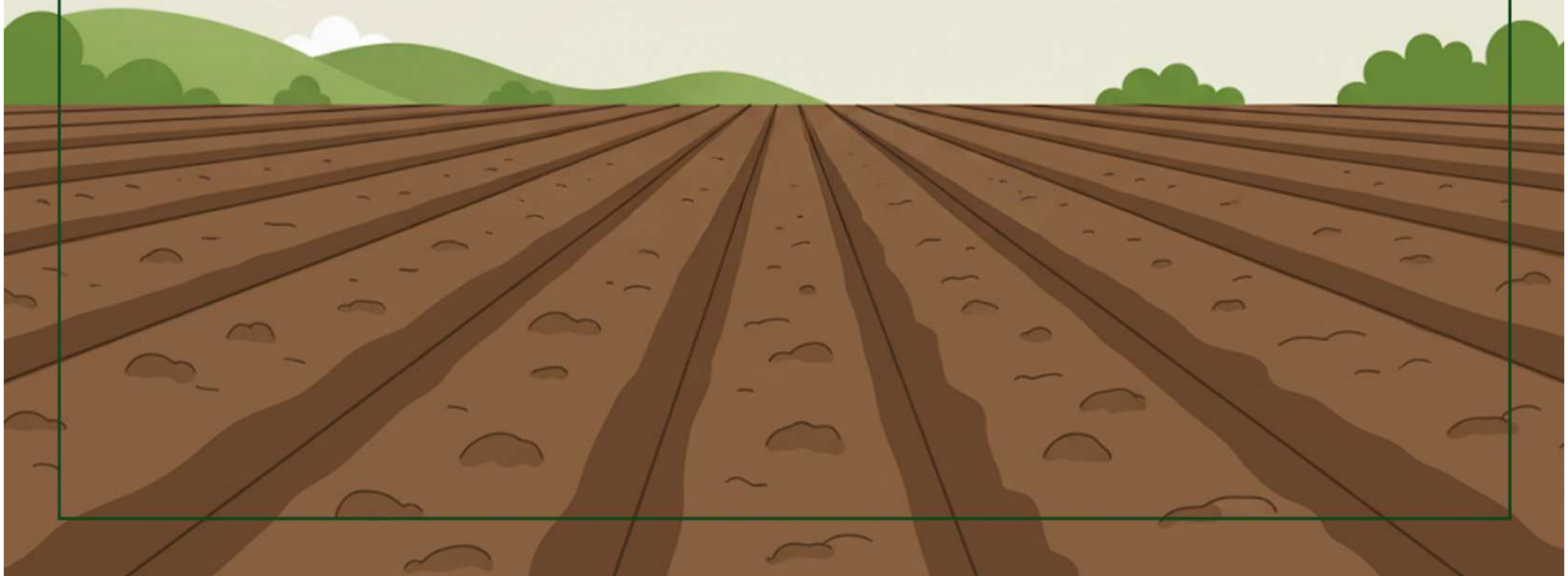

HARI-HAR SEEDS

भूमि की तैयारी :-

ग्वार की फसल लेने के लिये भूमि की एक बार मिट्टी पलटने वाले हल से और दो जुताई डिस्क हैरो से करना पर्याप्त होता है।

HARI-HAR SEEDS

बीज की मात्रा :-

ग्वार का दाने के उत्पादन के लिये 5-6 किलोग्राम बीज पर्याप्त होता है। प्रमाणित या टी. एल. उच्च गुणवत्ता की बीज पर्याप्त करना चाहिए।

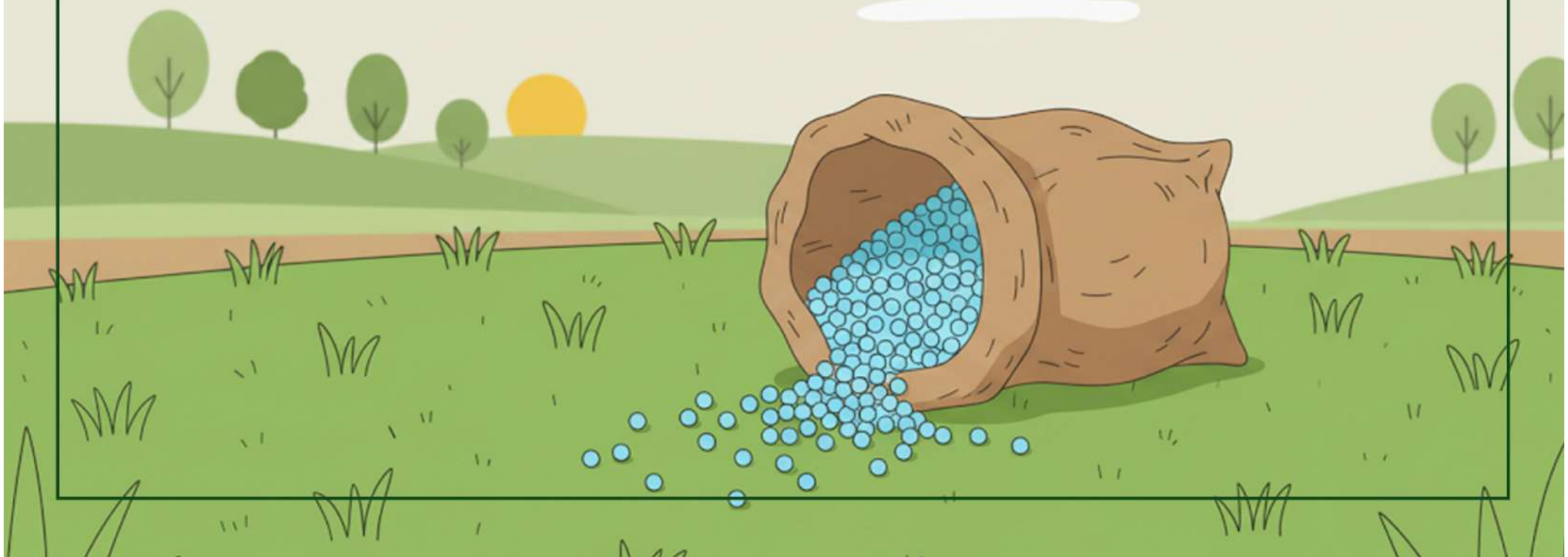

HARI-HAR SEEDS

बीजोपचार :-

ग्वार के बीज को बिजने से पूर्व रायजोबियम कलचर एवं पी.एस.बी. कलचर से 50 मि. ली. प्रति एकड़ बीज के लिये पर्याप्त है। 200 ग्राम (2 कप पानी) में 50 ग्राम गुड का घोल बना लें और इसे बीज पर डाल दें तथा उपर से कलचर डाल कर मिला कर थोड़ी देर छाया में सुखा कर बिजाई कर दें।

HARI-HAR SEEDS

बिजाई का तरीका :-

ग्वार बखेर कर नहीं बोना चाहिए। केरा या पौरा से हल के द्वारा बिजाई लाइनों में करनी चाहिए जिससे निकाई गुडाई में सुविधा रहे। इसके अलावा सीड ड्रिल से 35 X 15 सें.मी. की दूरी पर लगायें एवं 90 हजार से एक लाख पौधे प्रति एकड़ निश्चित करें।

HARI-HAR SEEDS

बिजाई का समय :-

ग्वार की फसल लेने का उत्तम समय मध्य जुलाई होता है। अगेती बिजाई करने से फसल की बढवार ज्यादा हो जाती है और वांच्छित उत्पादन नही आता। अगेती पकने वाली या यूं कहें कम दिन (लगभग 90 दिन) में पकने वाली किस्में जैसे HG-365, HG-563, HG-2-20 की बिजाई जून माह के मध्य में करना उत्तम रहता है।

HARI-HAR SEEDS

किस्में :-

सुखोई-65, HG-365, HG-563, HG-2-20, HG-870

HARI-HAR SEEDS

खाद एवं उर्वरक :-

ग्वार भूमि में स्वतः राजोबियम वैक्टीरिया के माध्यम से नाइट्रोजन एकत्र कर लेता है अतः ज्यादा नाइट्रोजन देने की आवश्यकता महसूस नहीं होती है 6 KG नाइट्रोजन के लिये 15 KG युरिया, 16. KG फास्फोरस के लिये 100 KG सिंगल सुपरफास्फेट डालना उचित है। उर्वरक डालने से पूर्व SOIL HEALTH CARD के अनुसार ही उर्वरकों की मात्रा निश्चित करें। ग्वार में 8 KG सल्फर दाना मोटा, पकाव अच्छा देती है। हरियाणा की भूमियों में जिंक की कमी है अतः खेत तैयार करते समय सल्फर, जिंक एवं सिंगिल सुपरफास्फेट की पूरी मात्रा देनी चाहिए।

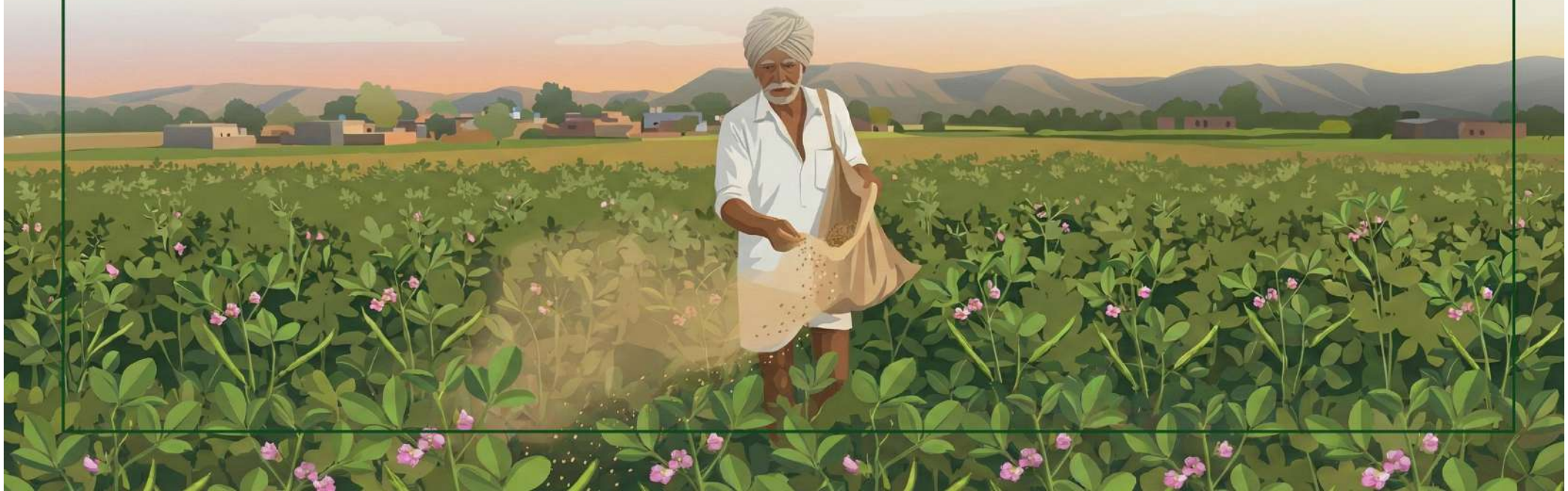

HARI-HAR SEEDS

खरपतवार नियंत्रण :-

बेहतर रहे खेत में निकाई गुडाई हाथ से या HAND WHEEL HOC से करें। खरपतवार रोकने के लिये 800 ML बासालिन 200 लीटर पानी में मिला कर बिजाई से एक दिन पहले खेत में छिड़काव करें।

HARI-HAR SEEDS

सिंचाई :-

ग्वार को वर्षा ऋतु में पानी की आवश्यकता नहीं होती। यदि वर्षा काल में बारिस न हुई हो तो एक या दो सिंचाई आवश्यकतानुसार कर देनी चाहिए।

HARI-HAR SEEDS

व्याधियों :-

ग्वार की फसल में BACTERIAL BLIGHT बीमारी का प्रकोप होता है। इसके उपचार के लिये खेत में 200 ग्राम प्रति एकड़ C.O.C. COPPER OXY CHLORIDE तथा 30 ग्राम स्ट्रेप्टोसाइकिलिन का 200 लीटर पानी में स्प्रे कर दें।

HARI-HAR SEEDS

टिप्पणी :-

ग्वार का उत्तम उत्पादन लेने के लिये कम्पनी के खुद के अनुसन्धान फार्म, कृषि विश्वविद्यालयों तथा प्रगतिशील किसानों के अनुभव पर आधारित सिफारिशें हैं। विभिन्न जलवायु क्षेत्रों में विभिन्न कारक उपज को प्रभावित करते हैं अतः किसान यदि इन सिफारिशों से सन्तुष्ट न हों तो अन्य श्रोतों से शस्य क्रियाओं की जानकारी अपना सकता है। विभिन्न भौगौलिक क्षेत्रों के लिये स्थानीय कृषि विदों, विशेषज्ञों, कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, कृषि विज्ञान केन्द्रों से सलाह कर PACKAGE OF PRACTICES अपना सकता है।